

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2021 और जनवरी 2022 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.-05

पाठ्यक्रम शीर्षक : भारत : 18वीं शताब्दी के मध्य से 19वीं शताब्दी के
मध्य तक



इतिहास संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

सत्रीय कार्य
2021-2022

कार्यक्रम कोड : बी.डी.पी.
पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.-05

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि आपको बी.डी.पी. की कार्यक्रम दर्शिका में बताया गया है आपको इस ऐच्छिक पाठ्यक्रम के लिए एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

सत्र	जमा करने की तिथि	कहाँ जमा करना है
जुलाई 2021 सत्र के लिए	31 मार्च 2022	पूरा किया हुआ सत्रीय कार्य अपने कंद्र के संयोजक के पास जमा करा दें।
जनवरी 2022 सत्र के लिए	30 सितम्बर 2022	

सत्रीय कार्य में दिए गए प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ लीजिए।

सत्रीय कार्य करने से पहले कुछ बातें :

सत्रीय कार्य करने से पहले ध्यान रखें : सामाजिक विज्ञानों में किसी भी तरह के लेखन के लिए चार सोपान आवश्यक हैं। ये हैं (क) योजना (ख) वस्तु चयन (ग) प्रस्तुतीकरण (घ) व्याख्या

(क) योजना : आपसे क्या प्रश्न पूछा गया है और उत्तर में क्या लिखना है। इस पर विचार कीजिए। इकाइयों का ठीक तरह से अध्ययन कीजिए। कुछ अतिरिक्त जानकारी चाहें तो पुस्तकालय का उपयोग कीजिए।

यह देखें कि प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में देना है या 250 शब्दों में या सिर्फ 100 शब्दों में। बड़े प्रश्नों के लिए विवरणों के साथ व्याख्या भी करनी होगी। तीसरे प्रकार के प्रश्न के उत्तर में संगत विवरणों को सक्षेप में प्रस्तुत करें।

(ख) वस्तु चयन : उत्तर देने के लिए आपको सही तथ्यों तथा विवरणों का चयन करना होगा। इसके लिए आप (i) अपनी इकाइयों से नोट्स लें, (ii) तथ्यों को ध्यान से देखें और उत्तर के लिए अनावश्यक विवरण निकाल दें, और (iii) उत्तर का पहला खाका लिख लें। इससे आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि आप उत्तर में क्या सूचनाएं/विवरण प्रस्तुत करना चाहते हैं।

(ग) प्रस्तुतीकरण : अब आप उत्तर का दूसरा खाका तैयार करें। इससे आप अपने विचारों को स्पष्टता से व्यक्त कर सकेंगे। आप यह भी जान सकेंगे कि दी गयी शब्द सीमा में आप बात कैसे कह सकते हैं।

उत्तर का तीसरा और अंतिम प्रारूप तैयार कीजिए और देखिए कि आपने सारी आवश्यक बातें अपेक्षित शब्द सीमा में प्रस्तुत की हैं या नहीं।

घ) **व्याख्या :** इतिहास लेखन में व्याख्या की प्रक्रिया का अनन्य स्थान है। आपकी योजना तथा वस्तु चयन में भी व्याख्या की झलक दिखाई देगी। संभवतः, शायद, क्योंकि, इसलिए, आदि शब्दों के साथ आपके वक्तव्य व्याख्या की झलक देते हैं। यहां आपको ध्यान रखना होगा कि आपके तथ्य आपके वक्तव्य का समर्थन करते हैं अथवा नहीं।

टिप्पणी : अगर आपके पास समय सीमित हो तो :

- 1) पहला प्रारूप तैयार करें, उत्तर की संगतता, शब्द सीमा, आदि पर ध्यान दें, और
- 2) अंतिम प्रारूप तैयार करें।

अब आप उत्तर लिखने के लिए तैयार होंगे।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य
ई.एच.आई.-05
भारत : 18वीं शताब्दी के मध्य से 19वीं शताब्दी के मध्य तक
पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.-05
सत्रीय कार्य कोड : ई.एच.आई.-05/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2021-2022
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के निर्धारित अंक प्रश्न के सामने लिखे हैं।

भाग 1: निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

- | | |
|---|--|
| 1 | स्थायी बंदोबस्त और रैयतवाड़ी बंदोबस्त की मुख्य विशेषताओं की चर्चा कीजिए। क्या वे अपने उद्देश्य को पूरा करने में सक्षम थे? 20 |
| 2 | मराठा राज्य व्यवस्था पर विभिन्न इतिहासकारों के विचारों की चर्चा कीजिए। क्या मराठों के संचालन के तरीकों में फितना एक अभिन्न अंग था? 20 |
| 3 | मैसूर राजस्व प्रणाली के गठन पर युद्ध और सैन्यीकरण ने कैसे प्रभाव डाला? विस्तार से उत्तर दे। 20 |
| 4 | 19वीं शताब्दी में पश्चिमी ज्ञान ने भारतीय मस्तिष्क पर किस प्रकार प्रभाव डाला? चर्चा कीजिए। 20 |

भाग 2: निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।

- | | |
|----|--|
| 5 | 18वीं शताब्दी के अंत और 19वीं शताब्दी के प्रारंभ में ब्रिटिश नीति को आकार देने में प्राच्यवादियों की क्या भूमिका थी? 12 |
| 6 | 1857 के विद्रोह के कारणों की विवेचना कीजिए। 12 |
| 7 | क्या भारत में 18वीं सदी तक “अंधकार युग” थीं? टिप्पणी कीजिए। 12 |
| 8 | 1833 के चार्टर अधिनियम का क्या प्रभाव था? चर्चा करें। 12 |
| 9 | क्या 18वीं और 19वीं शताब्दी की शुरुआत में अंग्रेज ‘कानून का शासन’ (rule of law) लागू करने में सक्षम थे? टिप्पणी कीजिए। 12 |
| 10 | क्या अफगान युद्ध अंग्रेजों के उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम थे? 12 |
| 11 | भारत में सामाजिक सुधारों को आगे बढ़ाने में राजा राम मोहन राय की भूमिका की चर्चा करें। 12 |
| 12 | हिंदी-उर्दू विवाद पर टिप्पणी कीजिए। 12 |

भाग 3: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए।

- | | |
|----|---|
| 13 | निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर लगभग 100-100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए : 6+6 |
|----|---|

- (क) ईश्वर चंद्र विद्यासागर।
- (ख) विऔद्योगीकरण
- (ग) अंग्रेजों के बर्मा युद्ध
- (घ) सिख राज्य की प्रकृति